अध्याय आठ

प्रकीर्ण व्यवसाय

इस जिले में प्रकीर्ण व्यवसायों के विषय में चूंकि अब तक कोई सामाजिक तथा आर्थिक सर्वेक्षण नहीं किया गया है इसलिए इस अध्याय में जो सूचना दी गयी है वह जनगणना पुस्तिका (सेन्सस हैन्ड बुक), 1951 पर और सरकारी तथा गैर सरकारी एजेन्सियों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है।

अवध के अन्य ग्रामीण जिलों की भांति, सीतापुर जिले में कृषकों की संख्या काफी अधिक है। वर्ष 1951 में वहां 83.9 प्रतिशत कृषक थे, जबकि पूरे राज्य में कृषकों का प्रतिशत 74.2 था। जिले की कुल ग्रामीण जनता के 89.4 प्रतिशत लोग खेती करते हैं और शिल्पी तथा व्यापारी भी जैसे कुम्हार, सुनार, लोहार, बढ़ई, कोरी या जुलाहे तथा बनिये निर्वाह के सहायक साधन के रूप में खेती करते हैं। वे लोग भी जो नगर क्षेत्रों में औद्योगिक तथा परिवहन कार्यों में कर्मचारियों, श्रमिकों, घरेलू नौकरों आदि के रूप में लगे हैं, प्रायः बुवाई तथा कटाई के मौसमों में अपने गांव के घरों को वापस आ जाते हैं। इस प्रकार कृषि कार्य में लगी हुई ऐसी नागर जनता का प्रतिशत 17.7 है।

जिले के शेष 16.1 प्रतिशत लोगों को रोजगार की तलाश कृष्येतर कार्यों में करनी पड़ती है। इनमें से 5.4 प्रतिशत लोग कृषि से भिन्न उत्पादन, 2.9 प्रतिशत वाणिज्यिक, 0.4 प्रतिशत लोग परिवहन तथा 7.4 प्रतिशत अन्य सेवाओं तथा प्रकीर्ण व्यवसायों में लगे हैं। अन्तिम समुदाय में सार्वजनिक तथा निजी सेवाओं और व्यवसायों, जैसे औषधि, विधि तथा शिक्षण में लगे हुए लोग सम्मिलित हैं, जो अधिकांशतः मुख्यालय के नगर में रहते हैं। उनकी सेवा दर्जी, नाई, धोबी, माली, परिवहन कार्यकर्ता तथा घरेलू नौकर करते हैं, जो कि नागर क्षेत्रों में काफी बड़ी संख्या में रहते हैं।

जिले में तीन चीनी मिलें हैं, जिनमें 3,587 व्यक्ति सेवायोजित हैं—2,648 सामयिक तथा 939 स्थाई। जिले में 485 लोग प्लाईवुड उत्पादन में तथा लगभग 100 व्यक्ति खास इन्जीनियरिंग संबंधी निर्माण कार्यों में लगे हुए हैं। लघु स्तरीय तथा कुटीर उद्योगों में, जिनमें दरियां, तेल, तम्बाकू, गुड़ तथा खाण्डसारी, साबुन, दाल, बर्फ, फर्नीचर तथा लकड़ी आदि की अन्य वस्तुएं तैयार की जाती हैं, 34,000 से अधिक व्यक्ति लगे हुए हैं।

इस जिले में जिला तथा तहसील कार्यालय, स्थानीय निकाय, शिक्षा संस्थाओं, बैंकों के अलावा राज्य तथा केन्द्रीय सरकारों के कुछ विभाग भी स्थित हैं।

राज्य तथा केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में सेवायोजित व्यक्तियों की संख्या इस प्रकार है —

राज्य सरकार

कलक्टरेट	199	
कोषागार (ट्रेजरी आफिस)	15	
भूमि अभिलेख कार्यालय	465	
भूमि व्यवस्था कार्यालय	38	
चकबन्दी कार्यालय	278	
सहायता तथा पुनर्वास कार्यालय	2	
समाहरण (कलेक्शन) कार्यालय	324	
जिला नियोजन कार्यालय	296	(16 महिलायें सम्मिलित हैं)।
जिला कृषि कार्यालय	147	
जिला पशुधन कार्यालय	48	

जिलाधिकारी, सीतापुर।